मेरे बाबा का खुला दरबार हो रही जय जयकार | By Shri Yogeshwari

मेरे बाबा का खुला दरबार
के हो रही जय जयकार
श्याम प्यारे का खुला दरबार
के हो रही जय जयकार

कोई मांगे सोना चांदी कोई मांगे मोती
कोई चढ़ाये निशान सांवरे कोई जलाये ज्योति
श्याम प्यारे का खुला दरबार
के हो रही जय जयकार
हारे के सहारे का खुला दरबार
के हो रही जय जयकार

प्यारे भक्तों खाटू आना रंग गुलाल उड़ाएंगे
सांवरे के गुण गाएंगे श्याम को मनाएंगे
फागुन मास का आया त्यौहार
के हो रही जय जयकार
हारे के सहारे का खुला दरबार
के हो रही जय जयकार

नंगे पाँव आके बाबा नाचू तोहरे द्वारे
गुण गाऊं तेरा ही बाबा आँख में भर लूँ थाने
मेला सुन्दर लगो है अपार
के हो रही जय जयकार
हारे के सहारे का खुला दरबार
के हो रही जय जयकार

किस्मत वालों के घर में श्याम मेरा आता है
दीन दयालु मेरा सांवरा बिगड़ी सबकी बनाता है
योगेश्वरी का करो उद्धार
के हो रही जय जयकार
सभी भक्तों का करो बेडा पार
के हो रही जय जयकार

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%ae%e0%a5%87%e0%a4%b0%e0%a5%87-%e0%a4%ac%e0%a4%be%e0%a4%ac%e0%a4%be-%e0%a4%95%e0%a4%be-%e0%a4%96%e0%a5%81%e0%a4%b2%e0%a4%be-%e0%a4%a6%e0%a4%b0%e0%a4%ac%e0%a4%be%e0%a4%b0-%e0%a4%b9%e0%a5%8b/